



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 जनवरी, 2026

जारी करने का समय: 1245 घंटे

विषय: (i) एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ के असर से, 31 जनवरी से 3 फरवरी 2026 के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की से मध्यम छिटपुट/काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी और उत्तर-पश्चिम भारत और मध्य भारत के आस-पास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम अलग-अलग/छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

(ii) 31 जनवरी तक उत्तर-पश्चिम और आस-पास के मध्य भारत के कुछ इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में हुई वास्तविक मौसम (आज 29 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घने से बहुत घने कोहरे (दृश्यता <50 मीटर) की स्थिति बनी रही और ओडिशा, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में घने कोहरे (दृश्यता 50-199 मीटर) की स्थिति बनी रही।
- ❖ दृश्यता दर्ज की गई (मीटर में ≤ 200 मीटर): ओडिशा: चांदबली (50); हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर (50), सुंदरनगर (100); उत्तराखंड: पंतनगर (00), खटीमा (30), रूड़की(150); पंजाब: पटियाला(150); हरियाणा और चंडीगढ़: अंबाला(20), हिसार(30), करनाल(30), नारनौल(10), भिवानी(10), चंडीगढ़(100); पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सरसावा (आईएफ) और आगरा आईएफ (00) प्रत्येक, बरेली (40), हिंडन (आईएफ) और नजीबाबाद (50) प्रत्येक, अलीगढ़, शाहजहाँपुर और झाँसी (100) प्रत्येक; पूर्वी उत्तर प्रदेश: बहराईच (80), आजमगढ़, वाराणसी (एपी) और लखनऊ (एपी) (100) प्रत्येक, फुर्सतगंज (200); पश्चिमी राजस्थान: चूरू(90); पूर्वी राजस्थान: भीलवाड़ा(90), पिलानी(90); पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर (100)
- ❖ उत्तराखंड में ज़मीन पर पाले की स्थिति बनी हुई है।
- ❖ सिक्किम में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी हुई

पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, असम और मेघालय, मणिपुर और मिजोरम में न्यूनतम तापमान 5-10°C था। देश के बाकी हिस्सों में यह 10°C और उससे ज़्यादा था, सिवाय जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद के ऊँचे इलाकों और उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों को छोड़कर, जहाँ यह 0°C से कम था।
- ❖ न्यूनतम तापमान में बदलाव हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिम राजस्थान, मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, असम और मेघालय में सामान्य से (3°C से 5°C) ज़्यादा था; जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-

मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पूर्वोत्तर भारत, महाराष्ट्र और दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में (1°C से 3°C) ज़्यादा था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। (परिशिष्ट IV देखें)

- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 2.0°C नारनौल (हरियाणा) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (संलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर पूर्वोत्तर असम के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले और मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर के बीच पूर्वोत्तर ईरान के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक नया पश्चिमी विक्षोभ देखा गया है।
- ❖ औसत समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 130 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम पूर्वोत्तर भारत पर बनी हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर दक्षिण-पूर्वी अरब सागर और उससे सटे दक्षिण केरल तट पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 2 फरवरी 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

- ❖ 01 और 02 फरवरी को मध्य प्रदेश और 02 फरवरी को छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की बहुत संभावना है।
- ❖ 30 जनवरी 2026 की रात से एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके प्रभाव से, 31 जनवरी और 01 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में, 01 फरवरी को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में और 01 और 02 फरवरी को उत्तराखंड में गरज-चमक, बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है। 31 जनवरी से 03 फरवरी के दौरान राजस्थान में गरज-चमक के साथ छिटपुट हल्की बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 और 30 जनवरी को उत्तराखंड में पाला पड़ने की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; उसके बाद अगले 3 दिनों के दौरान धीरे-धीरे $3-5^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी और उसके बाद अगले 2 दिनों के दौरान धीरे-धीरे $2-4^{\circ}\text{C}$ की गिरावट होगी।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे $2-3^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होने की संभावना है; उसके बाद अगले 2 दिनों के दौरान धीरे-धीरे $2-3^{\circ}\text{C}$ की गिरावट होगी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 4 दिनों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे $2-4^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे $3-5^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होने की संभावना है; उसके बाद अगले 3 दिनों के दौरान धीरे-धीरे $2-3^{\circ}\text{C}$ की गिरावट होगी और उसके बाद अगले 2 दिनों के दौरान धीरे-धीरे $2-3^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी होगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घना कोहरा, शीत लहर चेतावनियां:

- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में 31 तारीख तक सुबह/रात के घंटों में कुछ/अलग-अलग इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान में 31 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 01 फरवरी तक अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- ❖ 30-31 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में अलग-अलग इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना है।

मछुआरा चेतावनी: मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 29 जनवरी से 03 फरवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ **बंगाल की खाड़ी:** 29 जनवरी को दक्षिण तमिलनाडु और पश्चिमी श्रीलंका के तटों के पास और उससे दूर, मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन इलाके में; 30 जनवरी को कोमोरिन इलाके के कई हिस्सों और उससे सटी मन्नार की खाड़ी में।
- ❖ **अरब सागर:** 29 जनवरी को गुजरात तट के पास और उससे दूर।

दिल्ली/एनसीआर में 29 जनवरी-01 फ़रवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

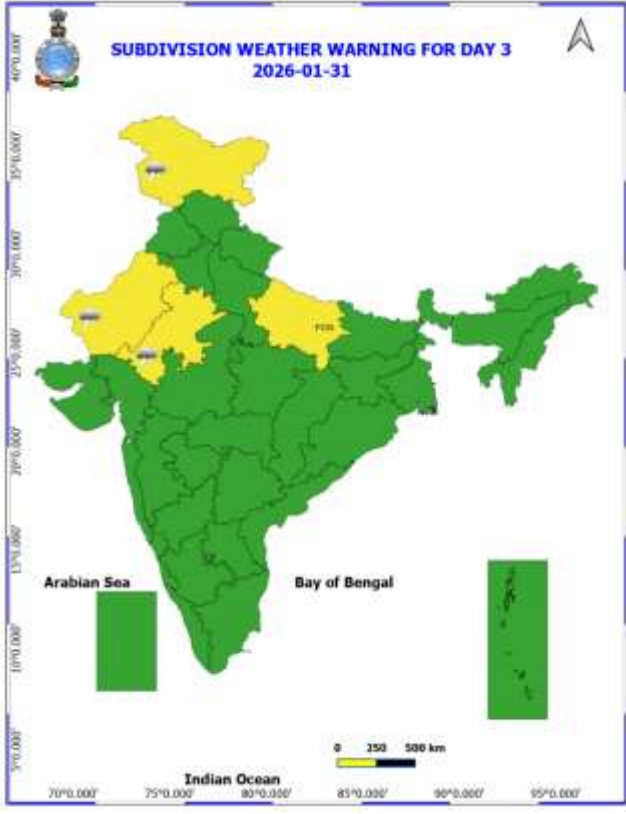
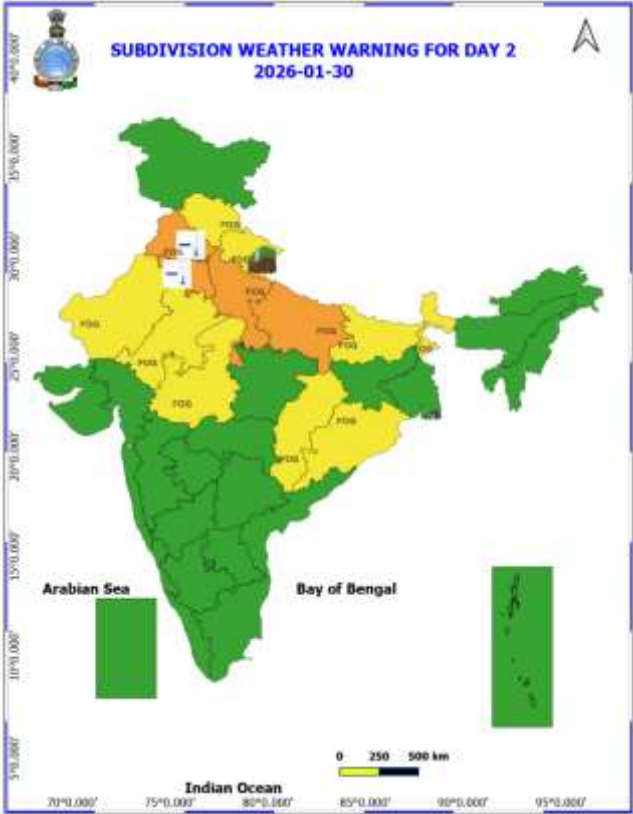
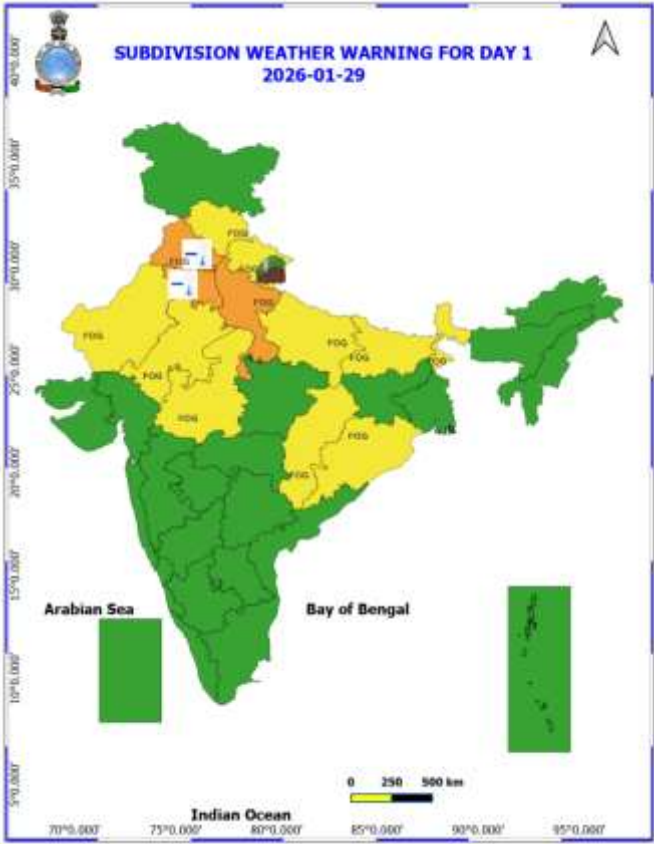
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

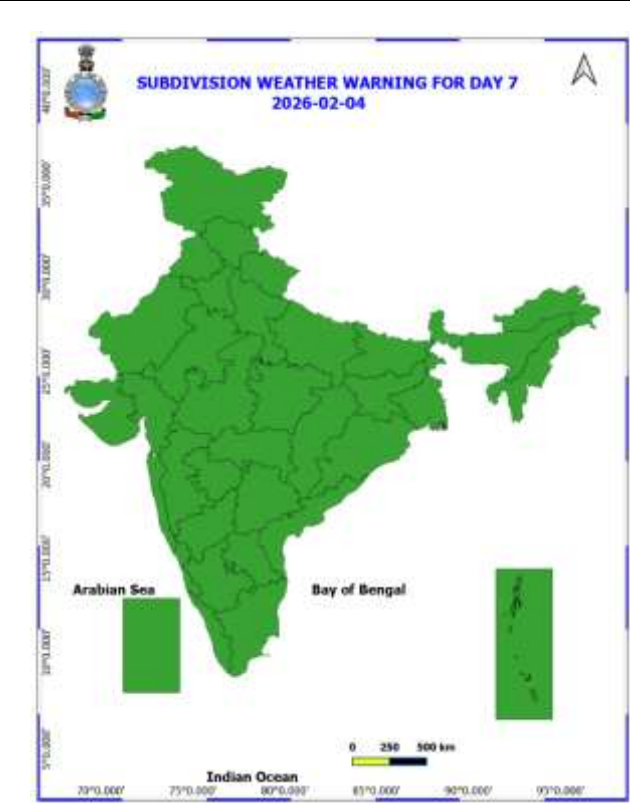
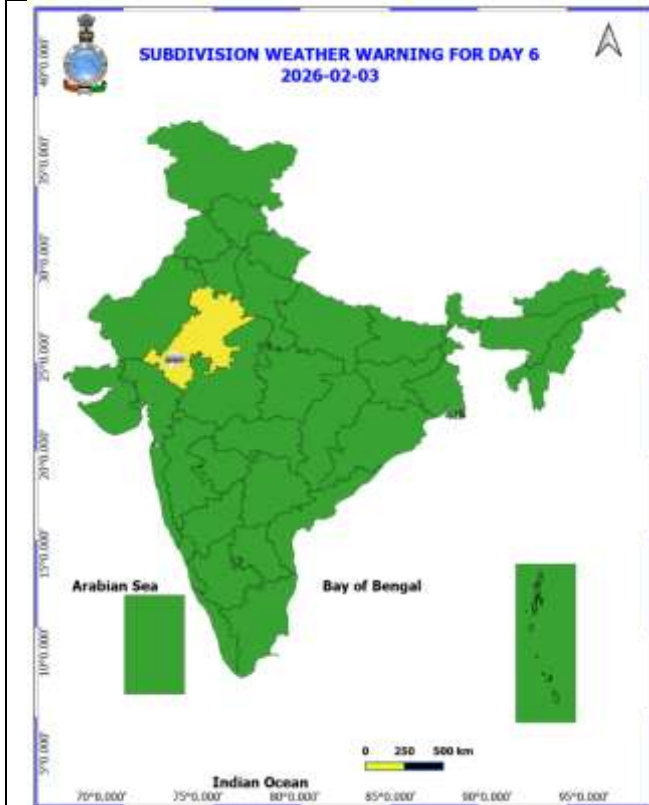
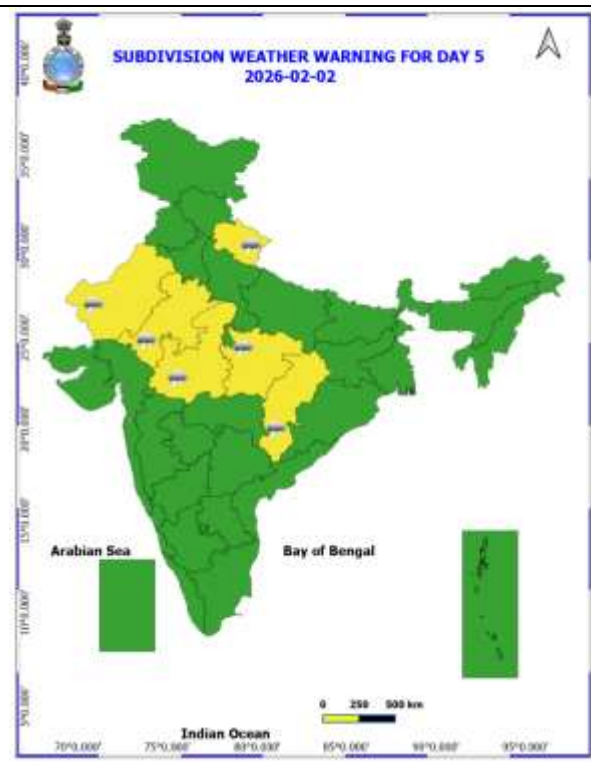
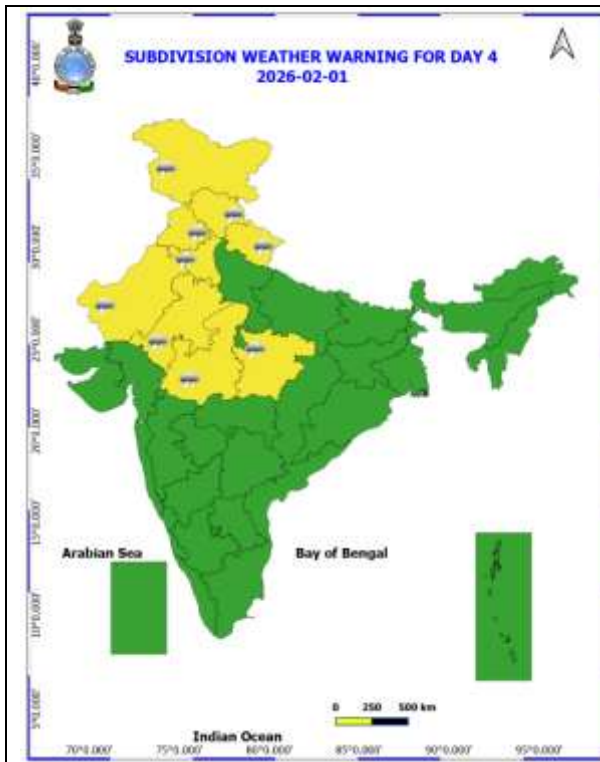
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Jan	30- Jan	31- Jan	1- Feb	2- Feb	3- Feb	4- Feb
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY	ISOL	ISOL
9	BIHAR	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	SCT	SCT	ISOL	DRY
12	UTTARAKHAND	DRY	DRY	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	ISOL	FWS	ISOL	ISOL	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	FWS	ISOL	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	ISOL	SCT	FWS	SCT	SCT	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	SCT	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 जनवरी से 01 फरवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

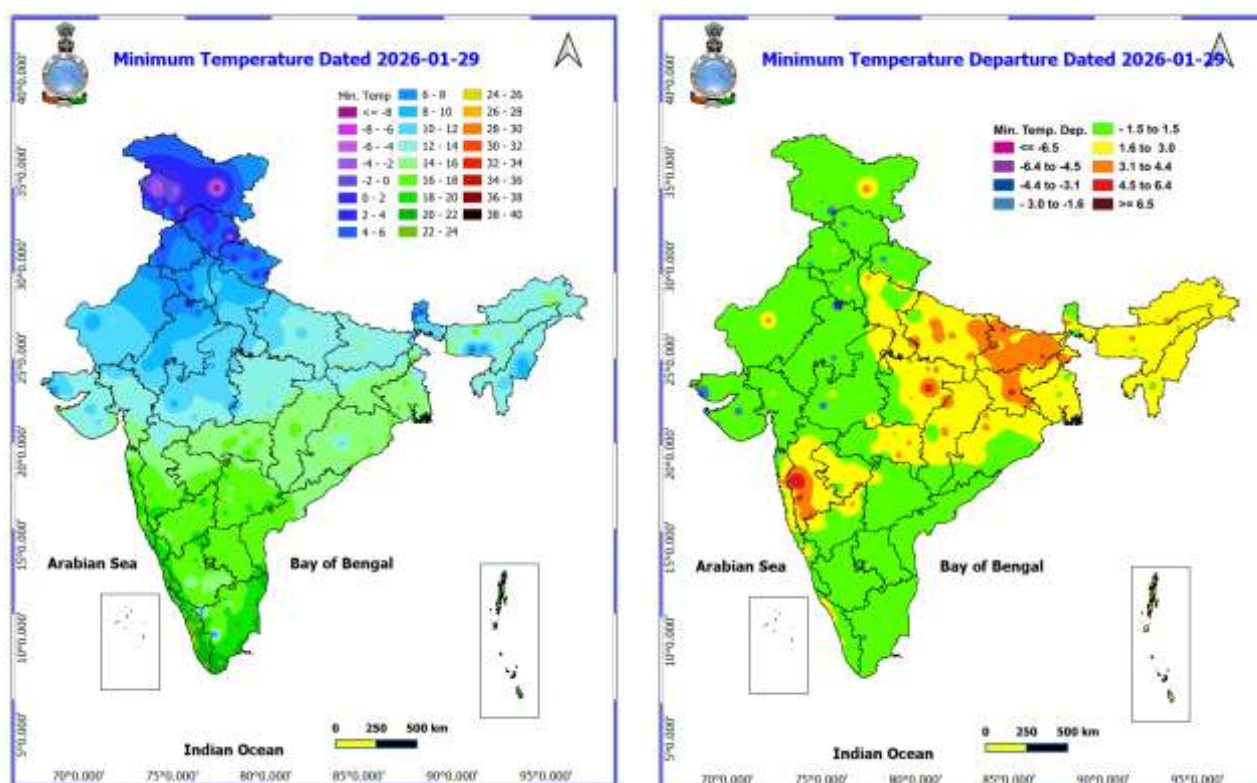
पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में 1 - 2°C की गिरावट और अधिकतम तापमान में 1 - 2°C की बढ़ोतरी हुई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 18°C और 09°C से 11°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। सफ़दरजंग में 0430 IST से 0530 IST तक सबसे कम विज़िबिलिटी 500m रही, जो इसके बाद आज, 29.01.2026 को 0630 IST पर 700m हो गई। पालम में 0330 IST से 0430 IST तक सबसे कम विज़िबिलिटी 200m रही, जो इसके बाद आज, 29.01.2026 को 0500 IST पर 300m हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान आमतौर पर आसमान में हल्के से मध्यम कोहरे के साथ बादल छाए रहे, और सतह पर हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से चली। आज सुबह इस क्षेत्र में पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से हवा चलने के साथ आंशिक रूप से बादल छाए रहे।

मौसम पूर्वानुमान:

29.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। रात में धुंध रहेगी। अधिकतम तापमान 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक कम हो जाएगी। 30.01.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय कई जगहों पर हल्की धुंध और कुछ जगहों पर मध्यम धुंध रहेगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 09°C से 11°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे से कम रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 05 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

31.01.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, जो दोपहर/शाम तक आमतौर पर बादल छाए रहेंगे, रात में बहुत हल्की बारिश के साथ गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। सुबह के समय कई जगहों पर मध्यम धुंध और कुछ जगहों पर घना कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19°C से 21°C और 06°C से 08°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटे तक रहेगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

01.02.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक गरज-चमक के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश के एक या दो दौर (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार से तेज़ हवाएं) चलने की संभावना है। साथ ही, दोपहर से रात के दौरान गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति शांत हवा के साथ 05 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर में हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।



29 जनवरी 2026 को 0830 बजे IST पर मैदानी इलाकों में रिपोर्ट किया गया न्यूनतम तापमान ($\leq 8^{\circ}\text{C}$)।

STATION	STATE	MINIMUM TEMPERATURE ($^{\circ}\text{C}$)
NARNAUL	HARYANA	2.0
AMRITSAR	PUNJAB	4.7
ALWAR	RAJASTHAN	5.2
HISAR	HARYANA	5.6
PILANI	RAJASTHAN	6.0
BANASTHLI VIDYAPEETH	RAJASTHAN	6.3
CHANDIGARH	HARYANA	6.6
CHURU	RAJASTHAN	7.0
GANGANAGAR	RAJASTHAN	7.3
DHAR	MADHYA PRADESH	8.0
PATIALA	PUNJAB	8.0

अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम

- ❖ 01 और 02 फरवरी को मध्य प्रदेश और 02 फरवरी को छत्तीसगढ़ में गरज-चमक के साथ हल्की/मध्यम बारिश होने की बहुत संभावना है; राजस्थान में 31 जनवरी से 03 फरवरी के दौरान।
- ❖ 31 जनवरी और 01 फरवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक बारिश/बर्फबारी होने की संभावना है; 01 फरवरी को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में और 01 और 02 फरवरी को उत्तराखंड में।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश में 31 तारीख तक सुबह/रात के समय कुछ/अलग-अलग इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में 31 जनवरी तक और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 01 फरवरी तक अलग-अलग जगहों पर घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 30-31 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में कुछ जगहों पर शीतलहर चलने की संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

ठंडी हवाओं / कम तापमान के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

□ उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा में, फसलों को कम तापमान के तनाव या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का सही तापमान बनाए रखने के लिए मल्टिचिंग का इस्तेमाल करें और सब्जियों की नर्सरी और छोटे फलों के पौधों को पुआल/पॉलिथीन शीट से ढक दें।

आंधी/तेज हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

□ तेज हवाओं से गिरने से बचाने के लिए बागवानी फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों के पौधों/फल देने वाले पौधों को सहारा दें।

पशुधन/मुर्गी पालन

□ भारी बारिश/ओलावृष्टि के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें। चारे और भूसे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर स्टोर करें।

□ ठंड से बचाने के लिए, रात में मवेशियों को शेड के अंदर रखें और उन्हें सूखा बिस्तर दें। साथ ही, पोल्ट्री शेड में आर्टिफिशियल लाइट लगाकर चूजों को गर्म रखें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

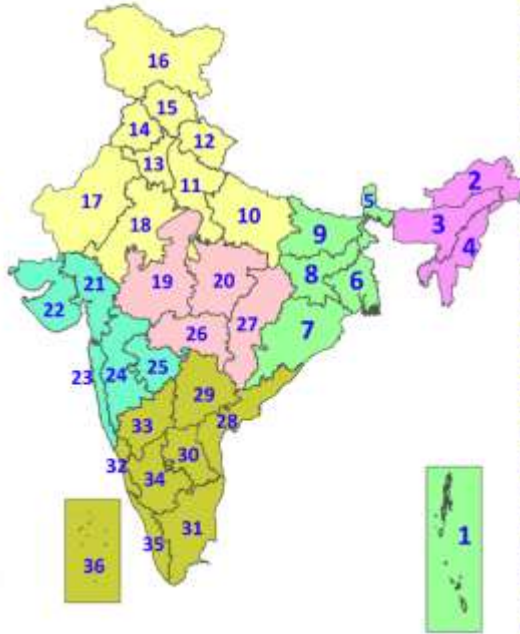
➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)